विद्याभवन बालिका विद्यापीठ

लखीसराय

कक्षा - षष्ठ

दिनांक -27-11-2020

विषय -हिन्दी शिक्षक -पंकज कुमार

एन, सी, ई, आरटी पर आधारित।

सुप्रभात बच्चों आज सी, सी, ए, के अन्तर्गत प्रेरक कहानी के बारे में अध्ययन करेंगे।

मानवता की सीख कहानी

एक बार एक बूढ़े आदमी के अंगूठे में चोट लग गई थी तो वे चोट को ठीक कराने अस्पताल पहुंचे । लेकिन डॉक्टर के वहाँ बहुत भीड़ लगी थी । वे भीड़ को चीरते हुए डॉक्टर के पास पहुंचे और उनसे निवेदन करते हुए बोले- मै बड़ी जल्दी में हूँ , आप पहले मुझे देख ले । वे बार -बार घडी को देख रहे थे.

सर आप इतनी जल्दी में क्यों हो. क्या आपका किसी अन्य डॉक्टर से अपॉइटमेंट है ? डॉक्टर ने पूछा । बूढ़े आदमी ने बताया की कुछ दूर नर्सिंग रूम में बहुत दिनों से उनकी वाइफ भर्ती है । वे रोज उनके साथ नाश्ता करते है.

डॉक्टर मुस्कराते हुए बोले -अच्छा। ये बात है. इसीलिए आप जल्दी कर रहे हो,क्योंकि देर से पहुंचने पर आपकी पत्नी आपसे नाराज हो जाएगी ।

तब बूढ़ा आदमी बोला – वह अल्जाइमर की मरीज है और वह किसी को नहीं पहचानती और पिछले पांच सालो से वह मुझे भी नहीं पहचानती.

तब डॉक्टर बोला -फिर भी आप रोज उनके साथ नाश्ता करने जाते है,ये जानते हुए भी की वो आपको पहचानती तक नहीं.

बूढ़े आदमी मुस्कराये और डॉक्टर से बोले – वह मुझे नहीं पहचानती तो क्या हुआ,पर मै तो यह जानता हूँ न की वह कौन है ?

बच्चों ! हमें इस कहानी से यह जरूर सीखना चाहिए की कई बार हमारे लाइफ में भी ऐसे कई मौके आते है जहाँ पर हमारी मानवता का इम्तिहान होता है।

इसलिए हमे बिना स्वार्थ के अपने दायित्वों को निभाना चाहिए ये मानवता के लिए बहुत जरुरी है.

धन्यवाद